आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 26.03.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने कहा – भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज वर्ष 2021 में 24 दशमलव 4 प्रतिशत से दोगुना होकर 2024 में 48 दशमलव 8 प्रतिशत हुआ।
- हरिद्वार में "सशक्त महिला–सशक्त राष्ट्र" थीम पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- एम्स ऋषिकेश की निःशुल्क हेली एंबुलेंस सेवा, सीमांत उत्तरकाशी जिले के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है।
- नई टिहरी में चलाया गया स्वच्छता अभियान, लोगों को जैविक–अजैविक कूड़े के प्रति जागरूक किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन

भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन–आईएलओ के अनुसार भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज वर्ष 2021 में, 24 दशमलव 4 प्रतिशत की तुलना में 2024 में दोगुना होकर, 48 दशमलव 8 प्रतिशत हो गया। आईएलओ विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024–26 के हवाले से केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि श्रमबल में सामाजिक सुरक्षा लाभ का विस्तार हुआ है। उन्होंने भारत के युवाओं को कौशल प्रदान करने और उन्हें सशक्त बनाने के प्रति सरकार की वचनबद्धता पर जोर दिया। डॉक्टर मांडविया 'लोगों में निवेश' के बारे बजट पश्चात वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। रोजगार के उपायों पर प्रकाश डालते उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 और 2024 के बीच 17 करोड़ 10 लाख नौकरियां पैदा हुईं। इनमें से बीते वर्ष में ही 4 करोड़ 60 लाख नौकरियां सृजित हुईं। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी दर वर्ष 2017–18 के 6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023–24 में 3 दशमलव 2 प्रतिशत हो गई है।

मतदाता जागरूकता

हरिद्वार स्थित ऋषिकुल सभागार में "सशक्त महिला– सशक्त राष्ट्र" की थीम पर वृहद मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे और हरिद्वार के जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर हरिद्वार के विभिन्न आयुर्वेदिक कॉलेजों ने रंगोली, चित्रकला, पोस्टर, क्विज और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत में मतदाताओं को शपथ दिलाई गई। साथ ही जिला स्वीप आइकॉन को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रदेश में सालभर मतदाता जागरूकता के दृष्टिगत अलग थीम बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि हर माह को, एक थीम पर केंद्रित करते हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम तय लिए गए हैं और इसी कड़ी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं, वे सालभर में 4 अर्हता तिथि– 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर के आधार पर फ़ार्म–6 भरकर नाम दर्ज करवा सकते हैं। हरिद्वार के जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता जागरूकता में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है।

भारतीय मानक ब्यूरो

भारतीय मानक ब्यूरो– बीआईएस की ओर से देहरादून में मानक क्लब मेंटर्स के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस अवसर पर बीआईएस देहरादून के निदेशक सौरभ तिवारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को मानकों की जानकारी देकर छात्रों को प्रोत्साहित करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न समूह गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिससे मेंटर्स को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानक क्लबों के मेंटर्स को प्रशिक्षित करना और उन्हें मानकों से संबंधित गतिविधियों की जानकारी देना था, जिससे वे अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को जागरूक कर सकें।

एनएसएस वि□ोश ि□ाविर

चमोली जिले के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर के एन.एस.एस इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के तहत स्वयं सेवियों ने जड़ी–बूटी शोध संस्थान, मंडल का शैक्षणिक भ्रमण किया। संस्थान के प्रभारी निदेशक वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सीपी कुनियाल ने कहा कि जड़ी– बूटी उत्पादन से स्वरोजगार के क्षेत्र में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को औषधीय पौधों, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और जैव–विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक होना चाहिए। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अरविन्द भंडारी ने औषधीय पौधों की महत्ता, उनके वैज्ञानिक अध्ययन और व्यावसायिक उपयोग के बारे में जानकारी दी।

हेली एम्बुलेंस सेवा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान– एम्स ऋषिकेश की निःशुल्क हेली एंबुलेंस सेवा सीमांत उत्तरकाशी जिले के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसके जरिए मरीजों को जहां समय पर हायर सेंटर पहुंचाना संभव हो पा रहा है, वहीं तीमारदारों की जेब पर कोई अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ रहा है। पिछले छह महीने में हेली एंबुलेंस सेवा के जरिये जिला अस्पताल से 13 गंभीर मरीजों को एम्स ऋषिकेश पहुंचाया जा चुका है। पिछले साल 29 अक्टूबर को एम्स ऋषिकेश ने प्रोजेक्ट संजीवनी के तहत हेली एंबुलेंस सेवा शुरू की थी। इससे पहले गंभीर मरीजों को सड़क मार्ग या फिर सरकार से अनुरोध कर हेलीकाप्टर की व्यवस्था कर हायर सेंटर भेजा जाता था। इसमें काफी समय लग जाता था, जिससे कई बार मरीजों की जान पर बन आती थी। एम्स ऋषिकेश की हेली एंबुलेंस सेवा से जिला अस्पताल में आने वाले गंभीर मरीजों को कुछ ही मिनटों में जोशियाड़ा हेलीपैड से एम्स ऋषिकेश के हेलीपैड पहुंचाकर भर्ती करा दिया जाता है।

स्वच्छता अभियान

राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरा होने के अवसर पर आज नगर पालिका परिषद नई टिहरी के वार्ड नम्बर 7 में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के डोर– टू– डोर कूड़ा कलेक्शन के दौरान लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जैविक और अजैविक कूड़े को घर से ही अलग कर कूड़ा वाहन में लगाए गए तीन अलग–अलग बॉक्सों में डालने की लोगों से अपील की। उन्होंने नगर पालिका परिषद नई टिहरी को अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित करने को कहा, ताकि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आए।
स्वच्छता अभियान में शामिल आशा चमोली ने कहा कि सभी लोगों को अपने–अपने स्तर से सफाई अभियान का हिस्सा बनना होगा, जिससे स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सके।

टीबी रुद्रप्रयाग

रुद्रप्रयाग जिले में 100 दिवसीय राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान के तहत आयोजित निक्षय शिविरों में टीबी रोग के 132 नये मरीजों की पहचान की गई है। इन मरीजों का इलाज भी शुरू कर दिया गया है। जिले में टीबी मरीजों की कुल संख्या 640 पहुंच गई है। टीबी मरीजों की लगातार बढ़ रही संख्या को लेकर चिकित्सकों ने भी चिंता जताई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने क्षय रोग के उन्मूलन के लिए गत वर्ष 7 दिसंबर से इस वर्ष 17 मार्च तक राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चलाया। इसके तहत जिला स्तर पर निक्षय शिविरों का आयोजन किया गया। 100 दिन तक चले इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की जांच की और टीबी के नये मरीजों की पहचान कर उनका इलाज शुरू किया गया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कुनाल और क्षय रोग जिला समन्वयक मुकेश बगवाड़ी ने बताया कि 100 निक्षय शिविर अभियान के तहत लोगों को टीबी रोग के लक्षण, संक्रमण और बचाव के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही बीमारी न छुपाने और त्वरित जांच के लिए प्रेरित किया गया है।